shrIrAmAShTakam 2

श्रीरामाष्टकम् २

Document Information

Text title : rAmAShTakam 2

File name : raamaashhTaka2.itx

Category : aShTaka, raama, brahmAnanda

Location : doc_raama

Author : brahmAnanda

Proofread by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

Latest update : January 13, 2002

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

December 22, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीरामाष्टकम् २

(प्रमाणिका छन्दः)
कृतार्तदेववन्दनं दिनेशवंशनन्दनम् ।
सुशोभिभालचन्दनं नमामि राममीश्वरम् ॥ १॥

मुनीन्द्रयज्ञकारकं शिलाविपत्तिहारकम् ।
महाधनुर्विदारकं नमामि राममीश्वरम् ॥ २॥

स्वतातवाक्यकारिणं तपोवने विहारिणम् ।
करे सुचापधारिणं नमामि राममीश्वरम् ॥ ३॥

कुरङ्गमुक्तसायकं जटायुमोक्षदायकम् ।
प्रविद्धकीशनायकं नमामि राममीश्वरम् ॥ ४॥

प्लवङ्गसङ्गसम्मतिं निबद्धनिम्नगापतिम् ।
दशास्यवंशसङ्क्षतिं नमामि राममीश्वरम् ॥ ५॥

विदीनदेवहर्षणं कपीप्सितार्थवर्षणम् ।
स्वबन्धुशोककर्षणं नमामि राममीश्वरम् ॥ ६॥

गतारिराज्यरक्षणं प्रजाजनार्तिभक्षणम् ।
कृतास्तमोहलक्षणं नमामि राममीश्वरम् ॥ ७॥

हृताखिलाचलाभरं स्वधामनीतनागरम् ।
जगत्तमोदिवाकरं नमामि राममीश्वरम् ॥ ८॥

इदं समाहितात्मना नरो रघूत्तमाष्टकम् ।
पठन्निरन्तरं भयं भवोद्भवं न विन्दते ॥ ९॥

॥ इति श्रीपरमहंसस्वामिब्रह्मानन्दविरचितं श्रीरामाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

shrIrAmAShTakam 2

pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*